



न्यायालय

## सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी

गुढामालानी-बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2024 / 40

दर्ज तिथि:-10.01.2024

1. छोगाराम पुत्र मंगलाराम  
जाति मेगवाल निवासी पीपराली तहसील गुढामालानी जिला बाड़मेर।

.....वादी

बनाम

1. किशनाराम पुत्र रामाराम
2. प्रभूराम पुत्र रामाराम
3. प्रागाराम पुत्र रामाराम
4. हरजीराम पुत्र रामाराम
5. जेठाराम पुत्र कलाराम
6. मांगाराम पुत्र धीराराम
7. लाछी पत्नी धीराराम  
समस्त जाति मेगवाल निवासी पीपराली तहसील गुढामालानी जिला बाड़मेर।

.....असल प्रतिवादीगण

8. शाखा प्रबंधक एसबीआई शाखा कृषि विकास बैंक गुढामालानी।
9. तहसीलदार गुढामालानी

.....तकमीली प्रतिवादीगण

उपस्थित अधिवक्ता

वादी:- श्री डालूराम चौधरी

प्रतिवादीगण:- श्री रामजीवन विश्नोई

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा- 53,188

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955

:-निर्णय:-

निर्णय तिथि:-04.07.2025

1. आज यह पत्रावली वाद पत्र अन्तर्गत धारा-88, 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 का बाबत घोषणा, तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा वास्ते निर्णय किये जाने पेश हुआ है। प्रकरण का सूक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार से है कि वादी की ओर से वाद पत्र अन्तर्गत धारा 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत



तकासमा एवं स्थाई निषेधाज्ञा के तहत पेश कर निवेदन किया गया कि संयुक्त आराजी खसरा संख्या 724/605/2.5335 है0, 725/605/2.5566 है0 वाके ग्राम पीपराली तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर में अवस्थित है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादीगण एवं प्रतिवादीगण असल की शामलाती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है। राजस्व रिकॉर्ड जमाबंदी में वादीगण के हिस्से खुले हुए हैं तथा आराजी संयुक्त खातेदारी में दर्ज है। यह विवादित आराजी अविभाजित है जिसका राजस्व रिकॉर्ड में अभी तक विधिक तकासमा नहीं हुआ है। असल प्रतिवादीगण वादीगण की उक्त हिस्सा आराजी के कुल कार्य काश्त में रूकावट व मजाहमत पैदा करते हैं एवं जबरन लठ के बल कब्जा कर वादी को अपने हिस्सा आराजी से बेदखल कर निर्माण कार्य, दीगर लोगों रहन बैय मुन्तकिल करना चाहते हैं। अंत में वाद पत्र में उक्त विवादित आराजीयात का पक्षकारान के मध्य विधिक तकासमा किया जाकर कुर्रजात कायम कराया जाकर अलग से खाता कायम कराया जाकर सहखातेदारों के लिए रास्ता कायम किया जाकर तकसीम शुदा आराजी का अमल राजस्व रिकॉर्ड में कराया जाकर वादी को तकसीम शुदा आराजी पर दखल दिलाया जाने का निवेदन किया गया।

2. वाद दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। प्रतिवादीगण वाद तामील असागतन वकालतन उपस्थित न्यायालय होकर अपना जबाब दावा प्रस्तुत किया। प्रतिवादीगण संख्या 05 ने जबाब दावा मय प्रतिदावा पेश कर निवेदन किया कि प्रतिवादीगण के हिस्से का खाता भी परिशिष्ट-अ के अनुसार पृथक किया जावे।

3. प्रकरण में निम्न प्रकार तनकीयात कायम किये गये:-

1. आया वादी संयुक्त आराजी का मुताबिक हाल राजस्व रिकॉर्ड दर्ज हिस्सा अनुसार बाई मिट्स एण्ड बाउण्ड्स खाता विभाजन करवाने के अधिकारी हैं।

.....जिम्मे वादी

2. आया वादी संयुक्त आराजी का मुताबिक हाल राजस्व रिकॉर्ड दर्ज हिस्सा अनुसार बाई मिट्स एण्ड बाउण्ड्स खाता विभाजन करवाने के पश्चात् विरुद्ध प्रतिवादीगण स्थाई निषेधाज्ञा प्राप्त करने के अधिकारी हैं।

.....जिम्मे वादी

3. आया प्रतिवादी संयुक्त आराजी का मुताबिक हाल राजस्व रिकॉर्ड दर्ज हिस्सा अनुसार बाई मिट्स एण्ड बाउण्ड्स खाता विभाजन करवाने के अधिकारी हैं।

.....जिम्मे प्रतिवादी संख्या 05

4. अन्य दादरसी।

.....उभयपक्षकारान

4. प्रकरण में अभिभाषक उभयपक्षकारान की बहस सुनी गई। प्रकरण में दिनांक 05.09.2024 को प्रारम्भिक डिक्री जारी की जाकर तहसीलदार गुड़ामालानी से कुर्रजात रिपोर्ट तलब की गई। तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा अपने पत्रांक/कोर्ट/आर.ए.

/2025/691 दिनांक 28.04.2025 के द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम-1955 के नियम-18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रेजात रिपोर्ट प्रेषित की गई। कुर्रेजात रिपोर्ट प्राप्त होने पर प्रतिवादी संख्या 05 द्वारा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया कि प्राथमिक डिक्री के अनुसार खसरा संख्या 724/605 एवं 725/605 का विभाजन तैयार करने के आदेश दिये गये थे। परंतु तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा खसरा संख्या 604 का विभाजन प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया है। साथ ही उक्त खसरा संख्या 604 में प्रतिवादी संख्या 05 का हिस्सा नहीं दिया जाकर प्रतिवादी संख्या 05 को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज रकबे से कम रकबा प्रस्तावित किया गया है। अतः प्रतिवादी संख्या 05 का उक्त प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर विभाजन प्रस्ताव पुनः मंगवाया जावे। इसके विपरीत अधिवक्ता वादी एवं प्रतिवादी संख्या 01 ता 04 एवं 06 ता 07 द्वारा निवेदन किया गया कि उक्त खसरा संख्या 604 किस्म गै0मु0 ढाणी है, जो खसरा संख्या 624/605 के अंदर अवस्थित है। साथ ही उक्त ढाणी में पक्षकारान के निवास अनुसार तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा विभाजन प्रस्ताव पेश किया है। प्रकरण में प्रतिवादी संख्या 05 द्वारा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया कि प्राथमिक डिक्री के अनुसार खसरा संख्या 724/605 एवं 725/605 का विभाजन तैयार करने के आदेश दिये गये थे। परंतु तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा खसरा संख्या 604 का विभाजन प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया है। साथ ही उक्त खसरा संख्या 604 में प्रतिवादी संख्या 05 का हिस्सा नहीं दिया जाकर प्रतिवादी संख्या 05 को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज रकबे से कम रकबा प्रस्तावित किया गया है। अतः प्रतिवादी संख्या 05 का उक्त प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर विभाजन प्रस्ताव पुनः मंगवाया जावे। प्रकरण में अवलोकन विभाजन प्रस्ताव से ज्ञात होता है कि खसरा संख्या 624/605 के मध्य खसरा संख्या 604 गै0मु0 ढाणी का अवस्थित है। उक्त खसरा संख्या 604 का विभाजन भी तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा मौका स्थिति के अनुसार पेश किया है। साथ ही पक्षकारान की पूर्वसूचित उपस्थिति में विभाजन प्रस्ताव तैयार करते वक्त हल्का पटवारी, भू-अभिलेख निरीक्षक एवं स्वयं तहसीलदार गुड़ामालानी मौके पर उपस्थित रहते हुए विभाजन तैयार करना अवलोकन विभाजन प्रस्ताव से ज्ञात होता है। प्रकरण में प्रतिवादी संख्या 05 के अतिरिक्त समस्त पक्षकारान उक्त मौका रिपोर्ट से सहमत हैं। प्रतिवादी संख्या 05 द्वारा मौका स्थिति के संबंध में कोई आक्षेप प्रस्तुत नहीं किया है। अतः प्रतिवादी संख्या 05 द्वारा प्रस्तुत उक्त आक्षेप अस्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है।

5. प्रकरण में उक्त कुर्रेजात रिपोर्ट पर अभिभाषक उभयपक्षकारान द्वारा सहमति प्रदान की तथा प्रकरण में अंतिम बहस सुनी गई। तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा अपने पत्रांक/कोर्ट/आर.ए./2025/691 दिनांक 28.04.2025 के द्वारा राजस्थान काश्तकारी (राजस्व मंडल) नियम-1955 के नियम-18 लगायत 21 के अनुसार मौका कुर्रेजात रिपोर्ट को तैयार करने की प्रक्रिया का विवरण निम्न प्रकार है:-

प्रक्रिया हेतु प्रावधान	अपनायी गई प्रक्रिया
<p><b>21. Preparation of map and demarcation of sub-divided fields.</b></p> <p>- The Tehsildar shall prepare and place on record map showing in different colours the plots given to each party, and if any field has been sub-divided, he shall demarcate the portion at the expense of the parties.</p>	<p>प्रकरण में दिनांक 03.03.2025 को तहसीलदार गुड़ामालानी द्वारा मय पटवारी/गिरदावर स्वयं मौका निरीक्षण किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>
<p>प्रकरण में पक्षकारों को मौका निरीक्षण हेतु जरिये नोटिस मौका निरीक्षण की दिनांक के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>	<p>1. प्रकरण में समस्त वादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी के नोटिस क्रमांक 528-535 दिनांक 07.02.2025 द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 03.03.2025 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p> <p>2. प्रकरण में समस्त प्रतिवादीगण को मौका निरीक्षण हेतु कार्यालय तहसीलदार तहसील गुड़ामालानी के नोटिस क्रमांक 528-535 दिनांक 07.02.2025 द्वारा मौका निरीक्षण की दिनांक 03.03.2025 के बारे में पूर्वसूचित किया जाकर मौका रिपोर्ट तैयार की गई।</p>

6. प्रकरण में वादी द्वारा कुर्रेजात रिपोर्ट पर दी गई सहमति एवं बहस पर मनन किया एवं संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी संवत् 2072-2075 तथा कुर्रेजात रिपोर्ट का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण हाल आराजी खसरा संख्या 724/605/2.5335 है0, 725/605/2.5566 है0 वाके ग्राम पीपराली तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर के संयुक्त खातेदार है। उक्त वर्णित संयुक्त आराजी वादीगण एवं असल प्रतिवादीगण की शामिलती कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है। जिस संयुक्त आराजी में वादीगण तथा असल प्रतिवादीगण का हिस्सा दर्ज रिकॉर्ड होना प्रमाणित होता है।
7. प्रकरण में उक्त विवादित आराजीयात अविभाजित है एवं राजस्व रिकॉर्ड में पक्षकारान के मध्य विधिक तकासमा नहीं हुआ है। पक्षकार की कुर्रेजात रिपोर्ट पर सहमति को ध्यान में रखते हुए पक्षकारान के मध्य उक्त विवादित आराजीयात् का विधिक तकासमा किया जाना आवश्यक है अतः दावा वादीगण मुताबिक विभाजन-प्रस्ताव (कुर्रेजात रिपोर्ट) मय नक्शा-ट्रेस के अनुसार डिक्री किया जाना न्यायोचित है।
8. प्रकरण में वादी द्वारा तकसीम आराजी के साथ-साथ स्थाई निषेधाज्ञा का अनुतोष का भी जिक्र किया गया। प्रकरण में वादी के अनुतोष के विवेचन हेतु तथ्यों का

गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है। जो कि निम्न प्रकार है:-

**188. Injunction against wrongful ejection—**

(1) Any tenant whose right to or enjoyment of the whole or a part of his holding is invaded or threatened to be invaded by his landholder or any other person may bring a suit for the grant of a perpetual injunction.

(2) The court may after making the necessary enquiry grant a perpetual injunction in the following cases, namely-

(a) if there exist no standard for ascertaining the actual damage caused or likely to be caused by the invasion;

(b) if the invasion is such that pecuniary compensation does not afford adequate relief;

(c) where it is probable that pecuniary compensation cannot be got for the invasion.

(d) where the injunction is necessary to prevent a multiplicity of proceedings.

9. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 के अवलोकन से स्पष्ट है कि धारा-188 के अन्तर्गत किसी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों की आमदरफत में किसी प्रकार का व्यवधान/अतिक्रमण किया जा रहा हो/किया जाने वाला हो उस स्थिति में व्यवधान उत्पन्न/अतिक्रमण करने वाले व्यक्ति को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किए जाने के प्रावधान बनाए गए हैं। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-188 की उपधारा-2 में स्थाई निषेधाज्ञा जारी किए जाने हेतु निम्न चार परिस्थितियां बताई गई हैं:-

परिस्थिति	विवरण
1.	जब हो रहे/होने वाले संभावित अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान के आंकलन हेतु कोई मानक/मापदण्ड अस्तित्व में नहीं हो।
2.	जब अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ इस प्रकार का हो कि नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति पर्याप्त राहत/संतुष्टि प्रदान नहीं करता हो।
3.	जब इस तथ्य की संभावना हो कि अतिक्रमण/व्यवधान/घुसपैठ से होने वाले नुकसान की आर्थिक भरपाई/क्षतिपूर्ति की प्रदानगी संभव नहीं होगी।
4.	जब निषेधाज्ञा राजस्व विवादों की बहुलता को रोकने हेतु आवश्यक हो।

10. इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रकरण में पत्रावली के अवलोकन के अनुसार स्पष्ट है कि प्रकरण में वादी का प्रथम अनुतोष स्वीकार होने के पश्चात् मुतनाजा आराजी पर वादी का संयुक्त काश्तकार घोषित होने के आधार पर वादी की संयुक्त खातेदारी होना पूर्ण रूप से साबित होती है। अतः मुतनाजा आराजी पर मुताबिक हिस्सा वादी का संयुक्त स्वामित्व अविवादित है। प्रकरण में वादीगण व प्रतिवादीगण की आराजी का विभाजन किया जाना प्रस्तावित है। उक्त विभाजन के पश्चात् वादीगण व प्रतिवादीगण का पृथक-पृथक खाता कायम किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही हाल में संयुक्त आराजी का रिकॉर्ड में पृथक अंकन किया जाकर मौके पर उसी अनुसार कब्जा भी पृथक से सुपुर्द किया जाना प्रस्तावित है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात् रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी

बाधा के करने हेतु अधिकृत व स्वतंत्र है। इस प्रकार वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध खातेदारी अधिकारों पर नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर सकता है। इस आधार पर वादीगण व प्रतिवादीगण खाता विभाजन के पश्चात रिकॉर्ड में व मौके पर पृथक-पृथक रूप से अपनी खातेदारी आराजी पर खातेदारी अधिकारों का उपयोग-उपभोग बिना किसी बाधा के करने में आपस में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं करने हेतु स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित प्रतीत होता है।

11. अतः हाल सह काश्तकार बाद तकसीम अपने पृथक-पृथक संबंधित खाते में दर्ज खातेदारी आराजी के अलावा अन्य खातेदारी आराजी पर बेदखल करने का प्रयास नहीं करने एवं आमद रफत में मजाहमत उत्पन्न नहीं करने बाबत स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना उचित है। अतः

आदेश है कि

दावा वादी अन्तर्गत धारा-88, 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकसीम आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है एवं हाल आराजी खसरा संख्या 724/605/2.5335 है0, 725/605/2.5566 है0, 604/0.0405 है0 वाके ग्राम पीपराली तहसील गुडामालानी जिला बाड़मेर मुताबिक कुर्रेजात रिपोर्ट मय नक्शा-ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वादी डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार गुडामालानी को दिये जाते हैं।

खातेदार	ग्राम	खसरा	रकबा	किस्म
छोगाराम पुत्र मंगलाराम हि0 पूर्ण जाति मेघवाल सा0 देह खातेदार रहन-एसबीआई गुडामालानी	पीपराली	724 / 605 725 / 605	0.0060 1.4996	बा0दो0 बा0दो0
किता 02 रकबा 1.5056 है0				
जेठाराम पुत्र कलाराम हि0 पूर्ण जाति मेघवाल सा0 देह खातेदार रहन-एसबीआई गुडामालानी	पीपराली	724 / 605	1.2762	बा0दो0
किता 01 रकबा 1.2762 है0				
मांगाराम पुत्र धीराराम हि0 18 / 31 जाति मेघवाल सा0 देह खातेदार लाछी पत्नी धीराराम हि0 13 / 31 जाति मेघवाल सा0 देह खातेदार	पीपराली	724 / 605	1.2453	बा0दो0
किता 01 रकबा 1.2453 है0				
किशनाराम पुत्र रामाराम हि0 1 / 4	पीपराली	724 / 605	0.0060	बा0दो0

जाति मेघवाल सा0 देह प्रागाराम पुत्र रामाराम हि0 1/4 जाति मेघवाल सा0 देह हरजीराम पुत्र रामाराम हि0 1/2 जाति मेघवाल सा0 देह		725 / 605	1.0295	बा0दो0
किता 02 रकबा 1.0355 है0				
गै0मु0 रास्ता	पीपराली	725 / 605	0.0275	गै0मु0 रास्ता
किता 01 रकबा 0.0275 है0 रास्ता प्रयोजनार्थ				
मांगा पुत्र धीरा, लाछी पत्नी धीरा हि0 19/29 खेता पुत्र लाला हि0 5/29 जगदीश पोकर पि. वेहना हि0 5/58 मूला पुत्र खेराज हि0 5/58 जाति मेघवाल सा0 देह	पीपराली	604	0.0405	गै0मु0 ढाणी
किता 01 रकबा 0.0405 है0				

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के उपरोक्त दर्ज खाता हिस्सा आराजी पर जबरन कब्जा बेदखल न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काश्त में रूकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शक्ल मौका आराजी ना बदले।

नक्शा कुर्रैजात निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। इसी अनुसार पृथक से पर्चा डिक्री तैयार की जाकर तहसीलदार गुड़ामालानी को पालनार्थ हेतु भिजवाई जावे। अहकाम जारी हो। पक्षकारान खर्चा अपना-अपना वहन करेंगे।

यह निर्णय आज दिनांक 04.07.2025 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)  
सहायक कलक्टर  
गुड़ामालानी-बाड़मेर



न्यायालय

## सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी

गुढामालानी-बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी -केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

वाद संख्या:- 2024 / 40

दर्ज तिथि:-10.01.2024

1. छोगाराम पुत्र मंगलाराम  
जाति मेगवाल निवासी पीपराली तहसील गुढामालानी जिला बाड़मेर।

.....वादी

बनाम

1. किशनाराम पुत्र रामाराम
2. प्रभूराम पुत्र रामाराम
3. प्रागाराम पुत्र रामाराम
4. हरजीराम पुत्र रामाराम
5. जेठाराम पुत्र कलाराम
6. मांगाराम पुत्र धीराराम
7. लाछी पत्नी धीराराम  
समस्त जाति मेगवाल निवासी पीपराली तहसील गुढामालानी जिला बाड़मेर।

.....असल प्रतिवादीगण

8. शाखा प्रबंधक एसबीआई शाखा कृषि विकास बैंक गुढामालानी।
9. तहसीलदार गुढामालानी

.....तकमीली प्रतिवादीगण

उपस्थित अधिवक्ता

वादी:- श्री डालूराम चौधरी

प्रतिवादीगण:- श्री रामजीवन विश्नोई

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा- 53,188

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955

-:पर्चा डिक्री:-

दावा वादी अन्तर्गत धारा-88, 53, 188 राजस्थान  
काश्तकारी अधिनियम-1955 बाबत तकसीम  
आराजी व स्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाता है  
एवं हाल आराजी खसरा संख्या 724/605/2.  
5335 है0, 725/605/2.5566 है0, 604/0.  
0405 है0 वाके ग्राम पीपराली तहसील

गुडामालानी जिला बाइमेर मुताबिक कुर्रेजात रिपोर्ट मय नक्शा-ट्रेस नीचे अंकित तालिकानुसार दावा वादी डिक्री किया जाता है। पक्षकारान के मध्य राजस्व रिकॉर्ड में रास्ता कायम करते हुए अलग-अलग खाता प्रविष्टिया दर्ज किये जाने के आदेश तहसीलदार गुडामालानी को दिये जाते हैं।

खातेदार	ग्राम	खसरा	रकबा	किस्म
छोगाराम पुत्र मंगलाराम हि० पूर्ण जाति मेघवाल सा० देह खातेदार रहन-एसबीआई गुडामालानी	पीपराली	724 / 605 725 / 605	0.0060 1.4996	बा०दो० बा०दो०
किता 02 रकबा 1.5056 है०				
जेठाराम पुत्र कलाराम हि० पूर्ण जाति मेघवाल सा० देह खातेदार रहन-एसबीआई गुडामालानी	पीपराली	724 / 605	1.2762	बा०दो०
किता 01 रकबा 1.2762 है०				
मांगाराम पुत्र धीराराम हि० 18 / 31 जाति मेघवाल सा० देह खातेदार लाछी पत्नी धीराराम हि० 13 / 31 जाति मेघवाल सा० देह खातेदार	पीपराली	724 / 605	1.2453	बा०दो०
किता 01 रकबा 1.2453 है०				
किशनाराम पुत्र रामाराम हि० 1 / 4 जाति मेघवाल सा० देह प्रागाराम पुत्र रामाराम हि० 1 / 4 जाति मेघवाल सा० देह हरजीराम पुत्र रामाराम हि० 1 / 2 जाति मेघवाल सा० देह	पीपराली	724 / 605 725 / 605	0.0060 1.0295	बा०दो० बा०दो०
किता 02 रकबा 1.0355 है०				
गै०मु० रास्ता	पीपराली	725 / 605	0.0275	गै०मु० रास्ता
किता 01 रकबा 0.0275 है० रास्ता प्रयोजनार्थ				
मांगा पुत्र धीरा, लाछी पत्नी धीरा हि० 19 / 29 खेता पुत्र लाला हि० 5 / 29 जगदीश पोकर पि. वेहना हि० 5 / 58 मूला पुत्र खेराज हि० 5 / 58 जाति मेघवाल सा० देह	पीपराली	604	0.0405	गै०मु० ढाणी
किता 01 रकबा 0.0405 है०				

उक्तानुसार पक्षकारान अपने-अपने हिस्से की खातेदारी आराजी को अपने नाम खातेदारी में पृथक-पृथक खाता दर्ज कराने के अधिकारी है तथा असल प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के उपरोक्त दर्ज

खाता हिस्सा आराजी पर जबरन कब्जा बेदखल न करे, ना ही किसी प्रकार के कब्जे काशत में रुकावट व मजाहमत पैदा करें तथा शक्ल मौका आराजी ना बदले।

नजरी नक्शा कुर्रेजात निर्णय का अनन्य भाग रहेगा। अहकाम जारी हो। खर्चा अपना-अपना वहन करेंगे।

यह डिक्री आज दिनांक 04.07.2025 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर हस्ताक्षर कर एवं मुहर युक्त जारी किया जाकर खुले न्यायालय में सुनाई गई।

(केशव कुमार मीना आर.ए.एस)  
सहायक कलक्टर  
गुढामालानी-बाड़मेर

